

**हेंगुरी** पुं. (तत्.) 1. घुड़सवारों का गेंद और डंडे से खेला जाने वाला चौगान खेल 2. उक्त चौगान खेल का डंडा।

**हेंव (हँव)** पुं. (तत्.) हेमंत ऋतु।

**हें हें** स्त्री. (अनु.) 1. बनावटी हँसी की ध्वनि 2. गिड़गिड़ाकर कही गई बात।

**हे अव्य.** (तत्.) एक संबोधन सूचक शब्द, रे, अरे जैसे- हे राम।

**हेउसी** स्त्री. (देश.) देशावरी रुई।

**हेक** वि. (देश.) एक, एक-दो, बहुत थोड़े, कुछ टि. राजस्थानी में अकेली को "हेकली" और अकेला को "हेकला" कहा जाता है।

**हेकड़** वि. (देश.) 1. मोटा ताजा, हट्टा-कट्टा 2. उग्र और प्रचंड 3. अक्खड़ और उददंड 4. तौल से पूरा।

**हेकड़ा** पुं. (देश.) समूह गान का प्रधान गायक जो किसी बोल को बहुत अधिक लंबा खींचता हो।

**हेकड़ी** स्त्री. (देश.) 1. हेकड़ होने की अवस्था, गुण या भाव 2. अक्खड़पन वाली उददंडता 3. बल प्रयोग, जबर्दस्ती।

**हेकरा** पुं. (देश.) हे-हे का स्वर, हेकरा मारते हुए गाना, हेकला, हेकली, हेकलो, हेका।

**हेक्टो** वि. (अं.) सौ गुना (माप की मीट्रिक प्रणाली) हेक्टे या हेक्टो का प्रयोग उपसर्ग के रूप में होता है जैसे- हेक्टेयर, हेक्टोमीटर, हेक्टोग्राम, हेक्टोलीटर (100 लीटर)।

**हेका** अव्य. (देश.) एक ओर उदा. 'हेका कह हेका हीलो हल -पृथ्वीराज।

**हेक्का** स्त्री. (तत्.) हिक्का, हिचकी।

**हेच** वि. (फा.) 1. हेय, तुच्छ, महत्वहीन 2. सारहीन, निरर्थक, व्यर्थ।

**हेज** पुं. (देश.) हेतु, प्रेम, स्नेह।

**हेजम** पुं. (अर.) 1. नाई, हज्जाम 2. दूत-कार्य, जो काम पहले नाई किया करते थे।

**हेट** पुं. (देश.) प्रेम, स्नेह उदा. 'समुसि पुरातन हेट' -सूरसागर।

**हेठ** पुं. (तत्.) 1. बाधा, रुकावट 2. विरोध।

**हेठ** वि. (प्रा.) (हेट्ठ) 1. नीचा, हीन, घटिया 2. कम जैसे- तौल में हेठ निकलना क्रि.वि नीचे, नीचे की ओर।

**हेठा** वि. (देश.) 1. नीचा, हीन, घटिया 2. कम।

**हेठी** वि. (देश.) 1. नीची जैसे- हेठी जाति का 2. तुलना में हीन, घटिया 3. कम जैसे- हेठी तौल 4. प्रतिष्ठा में कमी, मान-हानि, अपमान 5. हीनता।

**हेड<sup>1</sup>** पुं. (अं.) 1. शीश, सिर 2. मस्तिष्क, दिमाग 3. मुखिया, प्रधान, अध्यक्ष, मुख्य, नेता टि. हिंदी में अंग्रेजी शब्द हेड से जुड़े अनेक शब्द प्रचलन में हैं जैसे- हेडमास्टर, हेडक्वार्टर्स, हेडक्लर्क, हेडलाइट, हेडलाइन आदि।

**हेड<sup>2</sup>** पुं. (अं.) भेड़, बकरी आदि पशुओं का समूह, झुंड, हेड़ी।

**हेडिंग** पुं. (अं.) शीर्षक, (किसी निबंध, लेख आदि का)।

**हेडि** स्त्री. (देश.) हेड़ी, पशुओं का झुंड।

**हेड़ी** स्त्री. (देश.) भेड़, बकरी आदि पशुओं का समूह, झुंड।

**हेत** क्रि.वि. (तद्.) 1. हेतु, कारण, प्रयोजन 2. के लिए, वास्ते उदा. 'नृत्यत स्याम स्यामा हेत' सूरसागर 10/1148।

**हेत** पुं. (तत्.) प्रेम, स्नेह, लाड़ उदा. 'हर सौं किया न हेत' (कबीर साखी- 24/4)।

**हेता** क्रि.वि. (देश.) 1. हेत, प्रेम, स्नेह 2. कारण, प्रयोजन, उद्देश्य उदा. 'जग माहीं विचरत एहि हेता' वैराग्य- तुलसीदास।

**हेति** स्त्री. (तत्.) 1. अस्त्र-शस्त्र, हथियार 2. चोट, आघात 3. किरण, प्रकाश, चमक 4. धनुष की टंकार अव्य. हा/हाय उदा. 'गगन सिद्ध सुर त्रासित हा हा हेति पुकारि' (मानस 6/70) -